cohaeret cum मह् crescere) heros. (Cf. शुर in श्वशुर, gr. κῦρος, κύριος.)

शूरता *f.* (a praec. s. ता) fortitudo, animus heroicus. HIT. 89.18.

शूर्प् 10. P. (माने) metiri.

शूल् 1. P. (रुजायाम्) *i.q.* रुज्.

शूल *m. n.* (ut videtur, a r. शूल् s. अ) hasta. SU. 1.14.2.3. (Slav. *sûliza* id.)

शूलमुद्गरहस्त (BAH. e शूलमुद्गर hasta et clava, et हस्त manus) hastam et clavam in manu habens (vid. annot. ad r. 669.). SU. 2.3.

शूलहस्त (BAH. e शूल et हस्त) hastam in manu habens (vid. gr. 669. annot.). SU. 1.14.

शूष् 1. P. (प्रसवे) generare. *Cf.* सूष्, सू, सु.

शृ in specialibus Temp. ponitur pro श्रु audire.

शृगाल *m.* canis aureus (shacal). DR. 6.22.

शृङ्खल *m. n.* शृङ्खला *f.* 1) catena. 2) cingulum *viri.* AM.

शृङ्ग *n.* (ut videtur, correptum e शिरङ्ग i. e. शिरम् acc. τοῦ शिर caput et ग iens) 1) cornu. 2) cacumen montis. N. 12.37.13.9. (Vid. शिरस् et cf. lith. *rága-s*, slav. *rog*, abjectâ cons. initiali.)

शृङ्गार *m.* amor.

शृङ्गिन् (a शृङ्ग s. इन्) cornutus. M 32.

शृणि *f. i.q.* अङ्कुश.

1. **शृध्** 1. A. (शब्दकुत्सायाम् K. पर्दे V.) pedere. — *Caus.* vel cl. 10. praef. अव oppedere. MAN. 8.282. *Cf.* पर्द्.

2. **शृध्** 1. P. A. (उन्दे K. क्लेदने V.) madidum esse, humectari.

3. **शृध्** 10. P. (प्रहसने) irridere.

शॄ 9. P. शृणामि (gr. 385. et 94[a].) rumpere, dirumpere, diffringere. *Pass.* शीर्ये (gr. 500.). MAH. 3.591.: पतेद् द्यौर् हिमवान् शीर्येत् (c. term. PAR. v. gr. 493.). *Part. pass.* शीर्ण. MAH. 1.6485.: वज्रम् … दशधा शतधा चै 'व तच् छीर्णं वृत्रमूर्धनि; N. 13.9.: नगाग्राद् इव शीर्णानाम् शृङ्गाणाम् पतताङ् क्षितौ; H. 1.18.: शीर्णपर्णफलै राजन् बह्गुल्मक्षुपैर् द्रुमैः. Cf. 2. कृ, gr. κλάω; de κείρω v. कृत्.

c. परि *Pass. i.q. Pass. simpl.* MAH. 1.8283.: नभसः परिशीर्यतः (= °शीर्यमाणस्य, v. gr. 597.); 3.11141.: महागिरिः … समन्तात् पर्यशीर्यत.

c. वि *Pass. i.q. Pass. simpl.* R. Schl. II. 78.17.: भाण्डम् पृथिव्यान् तद् व्यशीर्यत; I. 25.12.: व्यशीर्यन्त शरीरात् स्वात् सर्वगात्राणि; DR. 7.19.: विशीर्यन्तीन् नावम् इवा 'र्णवान्ते (de part. विशीर्यत् v. gr. 597.); SU. 2.18.: विशीर्णकलसैः. Dissolvi, destrui, everti, perire. MAH. 1.3726.: व्यशीर्यत ततो राष्ट्रङ् क्षयैर् नानाविधैः; N. 13.17.: रत्नराशिर् विशीर्णो ऽयम्; HIT. 119.4.: देवब्राह्मणनिन्दको विशीर्यते स्वयम्.

शेखर *m.* sertum floreum in vertice (cf. शिखर). RITU-S. 1.6. *Vid.* चन्द्रशेखर.

शेफ *m.* penis. *Vid. sq.*

शेफस् *n. id.* AM.

शेरते v. शी (gr. 348.).

शेल् 1. P. (गतौ K. चालगतौ V.) ire, se movere. *Vid.* शल्.

शेष (r. शिष् s. अ) *Adj.* reliquus. MEGH. 18.31.85. Qui superest. DR. 7.4. *Subst. m.* reliquum, reliquiae. MEGH. 39.

शेषा *f. pl.* (Fem. praec.) flores qui deo vel idolo oblati sunt, deinde alicui traduntur. SA. 1.26.27.

शैथिल्य *n.* (a शिथिल s. य) laxitas, tenuitas, paucitas. HIT. 62.22.

शैल (a शिला s. अ) 1) saxosus, petrosus. A. 8.10. 2) *m.* mons. H. 4.46.

शैलूष *m.* 1) *i. q.* विल्व. AM. 2) histrio, saltator, gesticulator scenicus. R. Schl. II. 30.8.

शैवल *m.* planta aquatica, Vallisneria. AM.

शैव्या *f.* (a शिव s. य *in fem.*) *nom. propr.* SA. 6.2.

शैशिर *m.* (a शिशिर frigidus s. अ) nomen montis. A. 3.10.

शो 4. P. श्यामि (gr. 330.) acuere. *Part. pass.* शित et शात (PAN. VII. 4.41.) acutus. (Vid. श्रि et cf. lat. *cautes, côs*, vid. शाण, *cuneus, cacû-men*, gr. κῶνος, anglo-